राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 26 | जौनपुर | सोमवार, 08 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सीएम योगी ने डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों की बसों की दी सौगात

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित परिवहन विभाग के कार्यक्रम में पहुंचे। इस मंच से उन्होंने प्रदेश को ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा दिया। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेशभर में 250 बसें संचालित की जाएंगी। प्रत्येक डिपो की 10: फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75–80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। सीएम आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48

कामों के आवेदन के लिए डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों में बसों की भी सौगात दी। इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है। परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार है। फाइल लटकाने की आदत खत्म करनी होगी। समय की प्रतिबद्धता तय करनी होगी।। कुंभ और कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने करके दिखाया है। उस वक्त यूपी वासियों को उनके गांव तक पहुंचाया। उत्तराखंड के प्रवासी को भी पहुंचाया। चालक–परिचालकों ने सफलता पूर्वक पहुंचाया। महाकुंभ में भी परिवहन विभाग ने 45 दिन में तमाम लोगों की सेवा की। उन्हें पुण्य कमाने में मदद की। रेलवे स्टेशन से लोगों को बाहर पहुंचने में मदद की। परिवहन विभाग हमेशा प्रदेश के अंदर समय का साथी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। आज कई नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। कामन सर्विस सेंटर पर लोग परिवहन की सेवा ले सकेंगे। आईआईटी, खड़गपुर के साथ डव्न होना तकनीकी रूप से समृद्ध करेगा। 149 यात्री के लिए अहम है। यह मददगार साबित होगा। आज सात बस स्टेशन का शिलान्यास हो रहा है। 54 अन्य वर्ड क्लास स्टेशन बनेंगे। सीएम ने कहा कि बेहतरी के लिए तैयार रहना होगा।

नड्डा ने एनडीए के सांसदों की डिनर पार्टी रद्द किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आवास पर आयोजित होने वाली एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी को रद्द कर दिया है। यह निर्णय पंजाब समेत देश के कई हिस्सों में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए लिया गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर शनिवार को एनडीए सांसदों के लिए डिनर पार्टी होनी थी। डिनर का आयोजन उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर किया जाना था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शामिल होना था। फिलहाल, जानकारी सामने आई है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की तरफ से इस आयोजन को रद्द करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव होने

हैं। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है। उपराष्ट्रपति चुनाव जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद हो रहे हैं। 21 जुलाई की रात को जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल, संख्या के लिहाज से एनडीए के सीपी राधाकृष्णन अपने प्रतिद्वंद्वी और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में कुल 245 सदस्यों में से 233 सांसद हैं। भाजपा के निचले सदन में 240 और उच्च सदन में 102 सांसद हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई में धमाकों की धमकी देने वाला नोएडा से गिरफ्तार

नोएडा , (एजेंसी)। मुंबई में बम धमाकों की गंभीर धमकी देने के मामले में उत्तर प्रदेश के नोएडा से अश्विन कुमार सुप्रा (50) नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपी मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। उसके पास से धमकी देने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने उसे मुंबई लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को हाल ही में उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश मिला था। इसमें दावा किया गया था कि शहर में 34 वाहनों में 34 मानव बम लगाए गए हैं। धमकी में कहा गया कि इन बमों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा, और विस्फोट से पूरी मुंबई दहल जाएगी। इस संदेश में खुद को ष्लश्कर–ए–जिहादीष नामक आतंकी संगठन से जोड़ने का भी दावा किया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस चुके हैं। इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर दिए हैं और हर कोण से जांच की जा रही है। यह पहला मौका नहीं है जब मुंबई को बम धमकी मिली हो। पिछले महीने नवी मुंबई पुलिस को एक कॉल के जरिए सूचना दी गई थी कि मुंबई–अहमदाबाद उड़ान में बम है और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी उड़ाने की धमकी दी गई थी। संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय को दोपहर 2 से 2रू30 बजे के बीच दो कॉल प्राप्त हुए थे। हालांकि जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी, और कॉल करने वालों की पहचान कर ली गई थी। लगातार मिल रही धमकियों के चलते मुंबई पुलिस और अन्य एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस अड्डे, और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड लगातार गश्त कर रहे हैं।

आयोग ने भाजपा नेताओं को दिया कोड घर बैठे बढ़ा रहे वोट : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने भाजपा नेताओं को कोड दे दिया है। इसके जरिये वे घर बैठकर वोट बढ़ा रहे हैं। सरकार पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के एसडीएम तैनात नहीं कर रही है। यह पूछे जाने पर किन राज्यों में इस तरह के कोड दिए गए हैं, अखिलेश ने कहा कि कई स्थानों पर ऐसा हुआ है। अखिलेश ने शुक्रवार को प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी व्यक्ति का वोट बनने से न छूटे और एक भी फर्जी वोट न बनने पाए। लेकिन, भाजपा सरकार, अधिकारियों और चुनाव आयोग की तिकड़ी बन गई है। चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग बन गया है। चुनावों में वोटों की डकैती हो रही है। सपा ने कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सपा के सभी फ्रंटल संगठन के लोगों की जिम्मेदारी है कि एक भी वोट लिस्ट से कटने न पाए। पंचायत चुनाव में भी इसका विशेष ख्याल रखें। जीएसटी को लेकर अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव को देखते हुए नया जीएसटी लाई है। उन्होंने कहा कि अगर इस सरकार के एजेंडे में शिक्षा व नौकरी होती तो 27 हजार प्राथमिक स्कूल बंद नहीं करती। 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को अभी तक आंदोलन नहीं करना पड़ता। विश्वविद्यालयों और संस्थाओं में एक ही विचारधारा के लोगों को बैठा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले इस्तेमाल करती है, फिर बर्बाद कर देती हैं। बाराबंकी में छात्रों पर लाठीचार्ज परिषद बनाम वाहिनी की लड़ाई है। उन्होंने एबीवीपी पर अखिल भारतीय वीडियो पिटाई कहकर कटाक्ष भी किया। सपा अध्यक्ष ने उन्हें टोटी चोर की संज्ञा दिए जाने के मामले में कहा कि यह साजिश तत्कालीन आईएएस अफसर अवनीश अवस्थी और ओएसडी अभिषेक कौशिक की है।

रोटी-कपड़ा और मकान पर बोझ हुआ कम : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने एक बार फिर से मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत देने वाला कदम उठाया है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि लंबे समय से टैक्स स्ध्ट्रक्ध्चर में सुधार की मांग कर रहे लोगों के लिए जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) में किए गए हालिया सुधार ऐतिहासिक माने जा रहे हैं. सरकार का दावा है कि इन बदलावों से न केवल साधारण परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में भी तेजी आएगी. अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि 2014 से पहले देश में टैक्स व्यवस्था इतनी जटिल थी कि हर वस्तु पर अलग–अलग कर लगते थे. एक साधारण परिवार के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल होता जा रहा था. बहुस्तरीय कर प्रणाली आम आदमी और खासतौर पर मध्यम वर्ग के लिए भारी बोझ बन चुकी थी. मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद टैक्स सुधारों को प्राथमिकता दी और पहले आयकर संरचना को सरल बनाकर 12 लाख रुपये तक की आय वाले मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत दी. अब उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए जीएसटी में व्यापक सुधार किए गए हैं. केंद्रीय मंत्री के अनुसार, हालिया सुधारों से आम परिवार की सबसे जरूरी जरूरतें रोटी, कपड़ा और मकान सस्ती होंगी. दैनिक उपभोग की वस्तुओं के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे मोबाइल फोन और सोलर पैनल पर टैक्स बोझ कम किया गया है. इससे न केवल उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी बल्कि पर्यावरण हितैषी उत्पादों के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा. सरकार का कहना है कि यह राहत 22 सितंबर से लागू होगी, जो नवरात्रि का पहला दिन भी है. इसे प्रतीकात्मक तौर पर देश के 140 करोड़ नागरिकों के लिए "नई खुशी की शुरुआत" बताया जा रहा है. केंद्रीय वित्त मंत्रालय के मुताबिक, यह फैसला करोड़ों परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उपभोग क्षमता को बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है. अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत की मौजूदा जीडीपी 330 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से 202 लाख करोड़ रुपये का उपभोग होता है. अनुमान है कि जीएसटी सुधारों से उपभोग में 10: की वृद्धि हो सकती है. इसका अर्थ है कि करीब 20 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त उपभोग देश की अर्थव्यवस्था में जुड़ेगा. विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ता उपभोग सीधे तौर पर रोजगार सृजन और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी लाएगा. इसका सकारात्मक प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों जैसे उत्पादन, सेवा और व्यापार पर दिखेगा. प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को लेकर यह दावा किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री अगले हफ्ते जा सकते हैं मणिपुर, कांगला किले में बनाया जा रहा खास मंच

इंफाल, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह मणिपुर का दौरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर तैयारियां चल रही हैं। इंफाल स्थित कांगला किले में एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही किले की सफाई और रंगाई–पुताई का काम भी हो रहा है। हालांकि अधिकारियों ने किले में मंच निर्माण और सफाई कार्यों की वजह नहीं बताई, लेकिन ये बताया कि इन कामों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश उन्हें मिला है। प्रधानमंत्री मोदी के 13 सितंबर को मणिपुर आने की संभावना है, जो मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से पीएम मोदी का पहला राज्य दौरा होगा। एक अधिकारी ने बताया, श्इंफाल के कांगला किले में एक

भव्य मंच का निर्माण कार्य चल रहा है। मंच के सामने 15,000 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। किले के अंदर सफाई और रंगाई–पुताई का काम भी चल रहा है।श इंफाल का कांगला किला पूर्व मणिपुरी शासकों की सत्ता का केंद्र रहा है। एक अन्य अधिकारी ने बताया, श्मंच बनाने के लिए सामग्री मणिपुर के बाहर से मंगवाई जा रही है और निर्माण कार्यों में 100 से ज्यादा मजदूर लगे हुए हैं। किले में सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है।श किले में आने वाले लोगों की पहचान भी दर्ज की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि इंफाल हवाई अड्डे और कांगला किले के बीच 7 किलोमीटर लंबे रास्ते पर सड़क के बीचों–बीच भी रंग–रोगन और पेड़ों की छंटाई का काम भी किया जा रहा है। एक भाजपा नेता ने बताया, श्हमें अभी तक प्रधानमंत्री के दौरे के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। अगर वह आते हैं, तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पीएम मोदी का भव्य स्वागत हो।श चुराचांदपुर जिला मुख्यालय में शांति मैदान में भी इसी तरह का काम चल रहा है। जातीय संघर्ष से ग्रस्त राज्य में प्रधानमंत्री के न आने को लेकर विपक्षी दल भाजपा पर हमला कर रहे हैं। मई 2023 से मैतेई और कुकी–जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। और राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था।

भारत अब किसी के दबाव में नहीं : फडणवीस

मुंबई , (एजेंसी)। भारत और अमेरिका में जारी टैरिफ विवाद के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने नरमी दिखाते हुए पीएम मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताया। इस बात पर अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप कहें या नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक महान नेता हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत अपनी विदेश नीति खुद तय करता है और किसी देश के दबाव में नहीं आता। बता दें कि फडणवीस का ये बयान तब आया जब हाल ही में अपने एक बयान में ट्रंप ने कहा था कि मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। लेकिन इस वक्त जो वो कर रहे हैं, वह मुझे पसंद नहीं है। ट्रंप का ये बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 50: तक टैरिफ (शुल्क) लगा दिया है और भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर 25: अतिरिक्त ड्यूटी लगा दी गई है। भारत सरकार ने इसे अनुचित, अन्यायपूर्ण और अकारण बताया है। सीएम फडणवीस ने कहा कि ट्रंप कुछ भी कहें, मोदी जी तो महान हैं ही। पूरी दुनिया के नेता उन्हें महान मानते हैं। उन्होंने कहा कि आज का भारत, मोदी जी का भारत है, जो अपनी विदेश नीति खुद तय करता है और किसी के दबाव में नहीं आता। उन्होंने आगे कहा कि भारत का श्विकसित भारतश बनने का सफर रुकने वाला नहीं है। गणेश विसर्जन के मौके पर बोल रहे थे फडणवीस गौरतलब है कि फडणवीस ने यह बात अपने सरकारी आवास श्वर्षाश पर गणेश विसर्जन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोगों से गणेश विसर्जन को पारंपरिक और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। हम सभी भारी मन से बप्पा को विदा करते हैं और खुशी के साथ उम्मीद करते हैं कि वह अगले साल फिर आएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर 10 मई को खत्म नहीं हुआ सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने दी अहम जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 10 मई को समाप्त नहीं हुआ था. बल्कि यह उसके बाद भी जारी रहा. लेकिन आमतौर पर माना जाता है कि ऑपरेशन 10 मई को खत्म हो गया था. उन्होंने यह बयान दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह में दिया. उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूररू द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' नामक पुस्तक का विमोचन किया. यह पुस्तक पूर्व सैन्य अधिकारी और लेखक लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लन (सेवानिवृत्त) ने लिखी है. जनरल द्विवेदी ने कहा कि आप सोच रहे होंगे कि 10 मई को युद्ध खत्म हो गयाय नहीं, क्योंकि यह लंबे समय तक चला, क्योंकि कई निर्णय लेने थे और उससे आगे की बातें मैं यहां साझा नहीं कर सकता. ऑपरेशन सिंदूर को 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी. इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ढांचों को नष्ट किया. भारत ने इसे केंद्रित, संतुलित और गैर–वृद्धिपूर्ण कार्रवाई बताया था. पुस्तक विमोचन के दौरान जनरल द्विवेदी ने कहा कि यह किताब उन पहलुओं को उजागर करती है जो आमतौर पर अनसुने और अनकहे रहते हैं, क्योंकि सैन्य कर्मी इनके बारे में खुलकर नहीं बोल सकते. उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर इस तरह की लड़ाई के हम इतने आदी हो गए हैं कि हम इसकी प्रासंगिकता, भावनाओं, नुकसान, लाभ और चुनौतियों को नहीं समझते।

गिरिराज सिंह का हमला राहुल ने तेजस्वी को बनाया सुपर पप्पू, लालू का सपना तोड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए राजद नेता तेजस्वी यादव के नाम का समर्थन नहीं कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी, जो खुद पप्पू हैं, ने तेजस्वी यादव को सुपर पप्पू बना दिया। लालू यादव का अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का सपना राहुल गांधी ने चकनाचूर कर दिया है। तेजस्वी यादव चमचागिरी करके राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने पर तुले हुए हैं, लेकिन राहुल गांधी ने एक बार भी (मुख्यमंत्री पद के लिए) उनका नाम नहीं लिया। कांग्रेस नेता राहुल

गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) रिपोर्ट ने दोनों नेताओं को बेनकाब कर दिया है और बिहार में उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को खत्म कर दिया है। गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर बिहार और उसके लोगों का कथित रूप से अपमान करने और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जैसे अन्य नेताओं को मतदाता अधिकार यात्रा में बिहारियों और हिंदुओं का अपमान करने के लिए आमंत्रित करने का आरोप लगाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित 16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा 1 सितंबर को पटना में संपन्न हुई। यात्रा का मुख्य एजेंडा बिहार में भारत के चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करना और हाल ही में राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए ष्वोट चोरीष के आरोपों को सही ठहराना था। चूँकि बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में, अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है, इसलिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है।

संपादकीय

विकास व पर्यावरण संरक्षण में हो संतुलन

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जल निकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं। इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा। बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके, लेकिन इससे लोगों और पर्यावरण के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी कम नहीं हो सकती। बहुत संभव है कि प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार को पहचाने गए एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध की प्रभावशीलता और उसके प्रवर्तन में कमियों का भी गंभीरता से आकलन करना चाहिए। इसके लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि लोग प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के प्रति उत्साह दिखाएं।

औषधियाँः उपयोगी भी एवं अभिशाप भी

(प्रो०फे० जी०सी० पाण्डेय (अवकाश प्राप्त) उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद)

आज दुनिया भर में अंग्रेजी दवाओं का प्रयोग लगातार बढ़ रहा हैं लेकिन बहुतेरे लोग प्रशिक्षित चिकित्सक के सलाह के बगैर, दवाओं का उपयोग कर रहे, जो कि किसी न किसी अवस्था में घातक है। दवायें उपयोगी के बजाय अभिषाप क्यों हो रही है? इसका मुख्य कारण यह है कि यदि उपयोगकर्ता पूरी तरह सावधानी से दवाओं का प्रयोग करें तो दवायें मित्र/उपयोगी की भूमिका निभा सकती है। यदि चिकित्सक, दवा बनाने वाले, बेचने वाले आदि अपने कर्तव्यों का सही पालन करें और शासन मनाफाखोरों पर नियंत्रण रखे तो दवाओं का दुरूपयोग नहीं होगा। चूँकि दवाओं को बेचने तथा वितरण का कार्य सीधे तौर पर औषधि निर्माताओं एवं फुटकर विक्रेताओं को प्रदान किया गया है, इसलिए दवाओं के दुरूपयोग की सम्भावना बढ़ गयी है। एक सामाजिक पहलू यह भी है कि चिकित्सक अपनी उत्तरदायित्व नहीं समझते हैं क्योंकि चिकित्सक मुद्रा कमाने के चक्कर में पड़े रहते हैं, इसलिए दवाओं का दुरूपयोग किसी भी स्तर पर रूक नहीं पा रहा है। विभिन्न प्रकार के रोगों के निदान के लिए चिकित्सक जैविक क्रियाओं को प्रभावित करने वाले रासायनिक पदार्थों (ड्रग) का उपयोग करते हैं। दवाओं का उपयोग गर्भ निरोधक के अलावा विभिन्न उद्योगो, कषि, घरेलू कामकाज में आने वाले पदार्थ लगभग सभी पर्यावरण को प्रदूषित करते है। ड्रग के रूप में जो रासायनिक पदार्थ उपयोग होता है उसमें रोगहरण की क्षमता होने के साथ–साथ कुप्रभाव न्यूनतम या एक सीमा के अन्दर होता है। अगर कोई दवा बिना सोचे–समझे या ज्यादा लिया जाय तो आरोग्यतर दुष्प्रभाव एवं खतरे उत्पन्न कर सकते है। इस प्रभाव को टाक्सीसिटी (विषैलापन) कहते है। सभी दवायें अपने प्रभाव को Dose & time dependent प्रभाव के साथ कार्य करती है। दवायें डॉ० द्वारा बताये गये डोज पर ही मरीज पर कार्य करती है उसमें समय का प्रयोग सार्थक होता है। सभी ड्रग्स शरीर के निश्चित अंग पर रोगानुसार शरीर के इन्जायम सिस्टम पर, कार्य करती है। यह या तो पॉजिटिव या निगेटिव होती है। विषाक्तता के कारण मरीज का मेटाबालिक सिस्टम खराब होने लगता है। इस सन्दर्भ में सूच्य है कि सभी दवायें चाहे होम्योपैथ, ऐलीपैथ या आर्युवेदिक हो उसमें कुछ न कुछ रसायन होता है जिसमें निश्चित माप दण्ड का चम्प एसिडिटी एवं एलकेनीटी होती है। यह कहना गलत है कि एलोपैथ दवाओं के अतिरिक्त अन्य दवाओं में रसायन नहीं होता।

निम्न प्रतिक्रियाओं के आधार पर, मनुष्य पर टाक्सीसिटी के प्रभाव को बांटा जा सकता हैः–

(क) यकृत एवं गुर्दे पर दवायें द्वारा विषैलापनः रोगोपरान्त जो दवायें चिकित्सक द्वारा दी जाती हैं उनका सीधे तौर पर यकष्त एवं गुर्दों द्वारा मेटाबालिज्म पर होता है। लाभकारी तत्वों को ग्रहण करने के उपरान्त अवांछित तत्व इन्हीं अंगों के माध्यम से शरीर से बाहर निकलता है। ये अंग अपनी क्षमता के आधार पर ही कार्य करते हैं तथा यदि अधिक कार्य करना पड़ जाय तो जवाब दे जाते है। अतः दवाओं का विषैलापन इन अंगों की निष्कासन क्षमता से अधिक होने की स्थिति में, शरीर में एकत्रित हो जाते हैं तथा इसका शरीर पर घातक प्रभाव पड़ता है। अगर किसी व्यक्ति को गुर्दे या यकष्त की बीमारी है तो उसे कोई भी दवा सावधानी से लेनी चाहिए।

(ख) कभी–कभी प्रतिकूल दवाओं को लेने में रक्त का नाश होता है। शरीर में रक्त बहने में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे रक्त में घटक प्रभावित होते है। इससे रक्ताल्पता, रक्त बाधाक, तथा तीव्र संक्रमण के जन्म का कारण बन जाता है। इस बात का पता लगाना पड़ता है कि रक्त के कौन–कौन से घटक प्रभावित हुए हैं। इन परिस्थितियों में सम्पूर्ण रक्त बदलने या विशेष सावधानी के साथ दवाओं का प्रयोग करना ही उचित है। क्लोरफेनिकाल दवा का प्रयोग टाइफाइड/टाइफ्स (मियादी) ज्वरों में किया जाता है जिससे संवदेनशील रोगियों में रक्त का घटना शुरू हो जाता है। अतः किसी अन्य समान प्रभावकारी दवा का प्रयोग करना चाहिए।

(ग) दवाओं का एलर्जिक प्रतिक्रिया का प्रतिफल प्रभाव विभिन्न प्रकार से शरीर के ऊपर होता हैं जिनमें साधारण खुजली से लेकर फफोले पड़ने, गठिया, अति अपंगता, रक्त स्त्राव एवं दूसरे तरह के रोगों का लक्षण होते हैं। कभी–कभी विटामिन भी एलर्जिक प्रतिक्रियाओं को उत्तेजित करती है। ऐनफाइलेक्टाइड धक्का भी एलर्जी का एक गम्भीर कारण हैं जिनसे आकस्मिक मृत्यु तक हो सकती है। कभी–कभी एलर्जी का दवा न होकर व्यक्ति विशेष पर अति संवेदनशीलता भी होती है, जिससे विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रायः एन्टीवायोटिक्स बार–बार ज्वर उतारने के लिए दिये जाने से, अजीबो गरीब औषधिजनित ज्वर, हो जाने के कारण बन जाता है जो प्रायः अज्ञानवश ज्यादा दवा देने से होती है। ऐसे में दवा बन्द कर देना चाहिए। एलर्जिक प्रतिक्रियाओं का क्या स्वरूप होगा इसका अनुमान लगाना तुरन्त सम्भव नहीं रहता, इसलिए पेनीसिलीन, ए.टी.एस.ए. आर.एस. व अन्य प्रकार के टीके लगाने के पूर्व जाँच कर ली जानी चाहिए ताकि कोई प्रतिकूल प्रतिक्रिया न हो। वास्तव में खाने वाली एवं मलहमों का प्रयोग करने से पहले पूर्व परीक्षण कर लेना चाहिए।

(घ) व्यवहार को प्रभावित करने वाली दवाओं की प्रतिक्रिया निम्न प्रकार से होती हैः जैसे–स्वाभाविक चिन्ताओं का दमन, स्मषति ह्रास, विकष्त निर्णय प्रतिक्रिया, गत्यात्मक असंतुलन, आदि। प्रतिस्पर्धा के रहते प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता से अधिक यत्न कर रहा हैं चाहे मशीनों से सम्भव हो या औषधियों से अथवा अन्य किसी प्रकार से। इसलिए शारीरिक व मानसिक कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रयास प्रथम दवाओं से करना, इसी का परिणाम है। एम्फीटैमीन का सेवन करके परीक्षा सम्बन्धी तैयारी करना, शराब पीकर वाहन चलाना या ठण्डक से बचने के लिए शराब पीना, आदि। औषधि लेने से मानसिक अथवा शारीरिक क्षमता बढ़ती तो नहीं है, बल्कि रही–सही कार्यक्षमता भी नष्ट हो जाती है। शराब पीने से जो गर्मी होने की बात करते हैं उनकी वायुमण्डल की ठण्डक से रक्षा नहीं हो सकती। इस प्रकार की मानसिकता से प्रेरित होकर बाहर घुमने से एनीमिया आदि की सम्भावना बढ़ जाती है। बर्फीले पहाड़ों पर सैनिक प्रायः शराब का प्रयोग करते है जिसके फलस्वरूप हाथ–पैरों में बर्फ–जनित घाव हो जाते है।

(ड.) दवाओं द्वारा विषैलापन अनजाने में या अधिक मात्रा में दवा लेने से होता है। घरेलू उपचार की दवाओं, रासायनिक पदार्थ, कीटनाशक दवाओं, खर–पतवार नष्ट करने वाली दवा (हरबिसाइड), मिट्टी का तेल, खाना बनाने वाली गैस आदि सभी वस्तुयें इसी श्रेणी में आती हैं। कीटनाशक व अन्य प्रकार की दवाओं के लेबलों पर लिखे हुए निर्देशो को सवधानीपूर्वक पढ़कर पालन करना चाहिए। बिना चिकित्सक की सलाह से स्वयं दवा नहीं लेना चाहिए। उपरोक्त वर्णित दवाओं, आदि बच्चों के लिए विषैले हो सकते हैं। आकस्मिक विषाक्ता को बच्चों में, दवाओं के प्रति सावधानी पूर्ण दषष्टिकोण अपना कर व उनमें रख–रखाव में ध्यान रखकर, दवाओं के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

(च) नशीली दवाओं पर निर्भर रहना या दवाओं की लत पड़ जाना ही, दवाओं का दुरूपयोग शुरू हो जाता है। मनुष्य की मनः स्थिति एंव सोचने–विचारने के ढंग से प्रभावित करने वाले किसी भी दवा में आवश्यकता से अधिक सेवन करने से उसकी लत पड़ जाती है। अफीम, बारबीच्यूरेट्स आदि की गोलिया, सम्मोहित करने वाली दवायें, इथनाल, एम्फीटेमीन, कोकीन, एल.एस.डी., चरस आदि इसी श्रेणी में आते है। ड्रग एडीक्सन के दो वैज्ञानिक पहलू हैं। प्रथम मनोवैज्ञानिक निर्भरता, द्वितीय शारीरिक निर्भरता। प्रायः कुछ व्यक्ति यह समझ लेते है कि नशीले पदार्थ लेने से उनकी क्षमता बढ़ती है। भ्रमवश, कुछ कलाकार मान लेते है कि उनकी रचनात्मक प्रतिभा व क्रियाशीलता दवाओं को लेने से बढ़ती है और वो दवाओं के दास बन जाते हैं। शारीरिक निर्भरता केवल नींद की गोलियों, एल्कोहल तथा सम्मोहित करने वाली दवाओं तक ही सीमित नहीं होती है वरन ट्रेक्यूलाइजार, मूड एलीवेटर सिन्थेटिक नारकोटिक्स, एन्टीगोनिष्टस दवाये भी इसी श्रेणी में आती है। नशीली दवाओं के सेवन से निम्नलिखित कुप्रभाव दृष्टिगोचर होते हैः–

1. धूमपान तनाव को कम करता है परन्तु छोड़ने पर स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ाता है।

2. नशा लेने से आलस्य/प्रमाद बढ़ता है तथा छोड़ने पर उत्तेजना, उतावलापन होता है।

3. एम्फीटन थकावट दूर करने के साथ भूख को कम करता हैं तथा मनः स्थिति को शान्त व उत्साहित करता है। प्रायः परीक्षा काल में विद्यार्थी इस तरह की दवा लेते हैं परन्तु बन्द करने के बाद घबराहट, अवसाद एवं आलस्य उत्पन्न होता है।

4. किसी ज्ञान वस्तु के प्रति दषष्टिकोण परिवर्तन, भावना या विचारों को प्रेरित करने की क्षमता, एल.एस.डी. तथा अन्य मतिभ्रम (माइकोटोजेन) करने वाली दवाओं का विशेष गुण है। नशीली दवाओं के अभ्यस्त लोगों में, साधारण लोगों से कुछ भिन्न प्रकार के लक्षण दिखायी देते है। दो नशाखोरो के व्यक्तित्व में समान गुण का व्यवहार परिलक्षित होता है। प्रायः समआदती नशाखोरों में नैराश्य की भावना एवं असहनशीलता अधिक होती है। अफीम या शराब की लतों को छुड़ाने में ऐसी दशा कर सकती है जिसमें चिकित्सक को बुलाना या अस्पताल में भर्ती होना भी आवश्यक होता है तथा लत भी छोड़ी जा सकती, जब स्वेच्छा एवं आत्मबल हो।

चिकित्सकों की सलाह के बिना दवा लेना आज एक फैशन बन गया हैं जिससे विभिन्न प्रकार के कुपरिणाम दिखाई देते है–

1. टेट्रासाइकिलीन का प्रतिकूल प्रभाव यकष्त पर होता हैं परन्तु पीलियों के रोगी को दिया जाता है, जिससे आहार नाल में मौजूद उपयोगी वैक्टीरियाँ नष्ट हो जाते है, जो पाचन क्रिया में सहयोगी होते हैं।

2. पैनीसिलीन, टेट्रासाइक्लीन एवं क्लोरोमाइसिटीन मलहमों को लेने से प्रतिकूल प्रभाव होता है। प्रायः गर्भावस्था के समय मूत्रांगो में संक्रमण हो जाने से टेट्रासाइकिलीन दिया जाता है जिससे रोगियों की मष्त्यु भी हो सकती है तथा आने वाले बच्चों की दन्त कोशिकायें, जन्म से ही दोषपूर्ण हो जाती है।

3. सेप्ट्रान या अन्य दवा मूत्रांग सम्बन्धी रोगो में एक सीमा के अन्दर दिया जाता है,परन्तु व्यापक प्रयोग से भ्रान्तियाँ पैदा होता है।

4. प्रायः मक्खन, पावरोटी, बिस्किट, वनस्पति तेल, डिब्बे वाले दूध, आदि खाद्य पदार्थों में विटामिन ए एवं डी का समावेश किया जा रहा हैं जो अवैधानिक है। विटामिन डी का असंतुलन होने से गुर्दे में पथरी, या खराबी उत्पन्न हो सकती है। गर्भावस्था में डी ज्यादा लेने से बच्चों की जबड़ो में विकषति देखी गयी है। मधुमेह के रोगियों में मधुमेह सम्बन्धित दवाओं के सेवन–काल में एस्पिरोग, फिनाइलब्यूटेजान, क्लोरोमाइसीटीन, टेट्रासाइक्लिन आदि के सेवन में सावधानी रखनी चाहिए इससे हाइपरग्लाइकेमिया हो सकती है। एस्पिरीन आदि के सेवन आवश्यकतानुसार कम करना चाहिए।

5. एस्पिरीन व फिनाइलब्यूटाजोन के साथ स्टीरायड का उपयोग घातक होता है।

6. लक्जेटिव्स में प्रायः आक्सीफेन नाम की दवा होती हैं जो यकष्त एवं आहार नाल में घुमती रहती है जिससे यकष्त खराब हो जाते है।

7. गर्भ निरोधी गोलियों का सेवन उन औरतों के लिए सुरक्षित नहीं, जिनकों बेहोसी के दौरे या कभी गर्भावस्था में पीलिया हुआ हो।

8. प्रायः हारमोन का उपयोग मासिक स्त्राव के बन्द होने तथा गर्भावस्था की जाँच के लिए किया जाता है, जिससे बच्चों में विकषति आने की सम्भावना बनती है। सिर्फ गर्भ जानने के लिए दवाओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए। साथ–साथ उन कालों में कम से कम दवाओं का सेवन करना चाहिए।

9. यह भी सूच्य है कि आज–कल लोग– बाग पेय पदार्थों को (लिमका, पेप्सी, कोकाकोला एवं अन्य पेय) को बिना रोक–टोक के पी रहे है, परन्तु उसका हानिकारक प्रभाव को नजर अन्दाज कर रहे है। इससे शरीर में शुगर बढ़ने की सम्भावना बढ़ जाती है।

उपरोक्त सभी तथ्य हमारे सामने हैं। हमें एक गम्भीर नागरिक के तौर पर अहम भूमिका निभानी है ताकि दवायें सिर्फ उपयोगी हो, न कि अभिशाप हों। हमने अपने दवाओं के बल पर कोविड एवं अन्य बड़े–बड़े महामारियों से लड़ कर सफलता पायी है। अगर गलत दवा ली जायेगी तो हम बचने के बजाय मर जायेंगे। आम प्रबुद्ध नागरिक को उपरोक्त के बचाव के लिए, जनमानस को जागरूक कर देश को समष्द्ध एवं खुशहाल बनाने का संकल्प लेना होगा।

.... विविध ....

अगले बरस जल्दी आने का वादा कर विदा हो रहे गणपति बप्पा, लालबागचा राजा की हो रही शाही विदाई

लालबागचा राजा पंडाल की भगवान गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए विसर्जन शोभायात्रा मुंबई में शुरू हो गई है क्योंकि आज गणेश चतुर्थी उत्सव का समापन हो गया है। भगवान गणेश प्रतिमा के विसर्जन शोभायात्रा में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। ढोल और नगाड़ों की ध्वनि वातावरण में गूंज रही है और भक्त खुशी से इसमें भाग ले रहे हैं।

मुंबई, पुणे, नागपुर और हैदराबाद समेत सभी बड़े शहरों के भक्त इस भव्य उत्सव के अंतिम दिन भाग ले रहे हैं। भगवान गणेश की विभिन्न रूपों और आकारों की सुसज्जित प्रतिमाओं को प्रार्थना, अगले बरस फिर से आने के अनुरोधा, संगीत और नृत्य के साथ विसर्जन के लिए पंडालों से बाहर निकाला गया।

दक्षिण मुंबई में गिरगांव की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर भी भीड़ उमड़ी। इसी मार्ग से सबसे ज्यादा विसर्जन जुलूस गुजरते हैं, जिनमें फोर्ट, गिरगांव, मझगांव, भायखला, दादर, माटुंगा, सायन, चेंबूर और अन्य क्षेत्रों की गणेश प्रतिमाएं विसर्जन के लिए ले जाई जाती हैं।

गणेश गली में मुंबई चा राजा की भगवान गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए शविसर्जन जुलूसश भी जारी है। गणेश चतुर्थी समारोह शनिवार को भगवान गणेश की मूर्तियों के जल में शुभ विसर्जन के साथ समाप्त होगा, क्योंकि आज इस भव्य उत्सव का समापन है।शगणपति विसर्जनश गणेश चतुर्थी उत्सव के दसवें दिन मनाया जाता है, जो अनंत चतुर्दशी को समाप्त होता है, जो भगवान गणेश को समर्पित दस दिवसीय उत्सव का प्रतीक है।

गणेश चतुर्थी, जिसे विनायक चतुर्थी या विनायक चविथी के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसा त्योहार है जो भगवान गणेश की पूजा, उन्हें नई शुरुआत का देवता और विघ्नहर्ता माना जाता है। 10 दिवसीय गणेशोत्सव समारोह 27 अगस्त से शुरू हुआ।यह उत्सव अनंत चतुर्दशी को समाप्त होता है और घरों व पंडालों को सजाकर, प्रार्थनाओं, संगीत और जीवंत जुलूसों के साथ मनाया जाता है।

शुगर के मरीज को आंखों की कौन-सी बीमारी हो सकती है

डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ाने वाली बीमारी नहीं है, बल्कि यह शरीर के कई अंगों को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचा सकती है। खासकर आंखें इस बीमारी से काफी प्रभावित होती हैं। कई बार मरीजों को समय पर लक्षणों का पता नहीं चलता और जब तक इलाज की जरूरत महसूस होती है, तब तक नुकसान हो चुका होता है। इस लेख में जानिए कि डायबिटीज आंखों को कैसे नुकसान पहुंचाती है, कौन–कौन सी बीमारियां हो सकती हैं और उनके लक्षण क्या होते हैं।

डायबिटिक रेटिनोपैथी

डायबिटीज के कारण आंखों की सबसे आम और गंभीर बीमारी डायबिटिक रेटिनोपैथी होती है। इसमें आंख के पिछले हिस्से यानी रेटिना की ब्लड वेसल्स डैमेज हो जाती हैं।

लक्षण

धुंधला दिखना

आंखों के सामने तैरते धब्बे

अचानक रोशनी कम हो जाना

रंगों को पहचानने में परेशानी

कभी–कभी अंधापन भी हो सकता है

डायबिटिक मैक्युलर एडीमा

रेटिनोपैथी का अगला स्टेज मैक्युलर एडीमा हो सकता है, जिसमें रेटिना के केंद्रीय हिस्से (मैक्युला) में सूजन आ जाती है। सीधी रेखाएं टेढ़ी नजर आना, पढ़ने में दिक्कत। सेंटर में धुंधला या धब्बेदार दिखना, ग्लूकोमा (ळसंनबवउं) डायबिटीज के कारण आंखों का प्रेशर बढ़ सकता है, जिससे ग्लूकोमा हो सकता है। यह ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचाता है।

लक्षण

धीरे–धीरे कम होती नजर

आंखों में दबाव या हल्का दर्द

साइड विजन का कम होना

सिरदर्द या आंखों में जलन

मोतियाबिंद

डायबिटीज वाले लोगों में समय से पहले मोतियाबिंद बनने की संभावना ज्यादा होती है। इसमें आंख का लेंस धुंधला हो जाता है। धुंधली नजर, रोशनी की तरफ देखने पर चकाचौंध। रात में गाड़ी चलाने में परेशानी। चश्मा बार–बार बदलने की जरूरत।

समय पर जांच क्यों है जरूरी?

डायबिटीज के कारण आंखों में होने वाले बदलाव शुरू में बिना लक्षण के हो सकते हैं। इसलिए डायबिटिक मरीजों को साल में कम से कम एक बार आंखों की डाइलेटेड जांच करानी चाहिए।

कमजोर नसों जान फूंक देता है इस मसाले का पानी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर थकान, कमजोरी और सुन्नपन जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। इन सबके पीछे एक बड़ा कारण है दृ नसों की कमजोरी। नसें शरीर के हर अंग तक संदेश पहुंचाने का काम करती हैं, लेकिन जब इनमें कमजोरी आ जाती है, तो शरीर की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। आयुर्वेद में चक्रफूल को एक औषधीय मसाले के रूप में जाना जाता है, जो कमजोर नसों में नई जान फूंक सकता है। आइए, जानते हैं इसके फायदे और इस्तेमाल का तरीका।

कमजोर नसों की वजह क्या होती है?

नसों की कमजोरी कोई अचानक होने वाली समस्या नहीं होती। इसके पीछे कई कारण होते हैं, जैसे शरीर में विटामिन क और ठ12 की कमी, जो तंत्रिका तंत्र को कमजोर बना देती है। खराब ब्लड सर्कुलेशन, जिससे नसों को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं मिल पाता। समय तक तनाव या शारीरिक थकावट, जिससे नसें थक जाती हैं। शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी, खासकर आयरन, मैग्नीशियम और ओमेगा–3 फैटी एसिड की। इन वजहों से नसें सुस्त, कमजोर और प्रतिक्रियाशील हो जाती हैं, जिससे हाथ–पैर सुन्न होना, झनझनाहट और दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

चक्रफूल क्या है और यह कैसे मदद करता है?

चक्रफूल एक खास किस्म का मसाला है जो तारों की तरह दिखता है। इसका उपयोग भारतीय रसोई में स्वाद बढ़ाने के लिए तो होता ही है, लेकिन साथ ही ये औषधीय गुणों से भी भरपूर होता है।

नर्व सिस्टम पर इसका असर इस प्रकार है

यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करता है, जिससे नसों तक पोषण और ऑक्सीजन अच्छे से पहुंचता है।

चक्रफूल में मौजूद प्राकृतिक तत्व नसों की ताकत और लचीलापन बढ़ाते हैं। यह नसों को रिलैक्स करता है और मानसिक थकान को भी कम करता है। यह तंत्रिका तंत्र की प्रतिक्रियाशीलता को सुधारता है, जिससे शरीर के मूवमेंट तेज और बेहतर होते हैं।

चक्रफूल का पानी पीने के फायदे

चक्रफूल को पानी में उबालकर पीने से इसके औषधीय तत्व सीधे शरीर में पहुंचते हैं और नसों पर असर करते हैं। इसके नियमित सेवन से मिलते हैं ये फायदे

नसों की कमजोरी दूर होती है और वे अधिक सक्रिय हो जाती हैं। शरीर की रक्त नलिकाओं में ब्लड फ्लो बेहतर होता है। में झनझनाहट, सुन्नपन या ऐंठन जैसी समस्याएं धीरे–धीरे कम होती हैं। शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होती है।

चक्रफूल का पानी कैसे बनाएं?

यह पानी बनाना बहुत आसान है और किसी भी समय तैयार किया जा सकता है। 1 से 2 चक्रफूल को हल्का कूट लें। इसे एक कप पानी में डालें और 5–7 मिनट तक उबालें। उबालने के बाद पानी को छान लें। स्वाद बढ़ाने और औषधीय गुणों को बढ़ाने के लिए इसमें 1 चम्मच शहद मिला लें।

पानी पीने का सही समय और तरीका

यह पानी रात को सोने से पहले पिया जा सकता है। इससे नींद अच्छी आती है और नसें रिलैक्स होती हैं।इसे सुबह खाली पेट भी पिया जा सकता है, ताकि पूरे दिन नसें सक्रिय और मजबूत बनी रहें। आप दोनों में से कोई भी समय चुन सकते हैं, लेकिन नियमित सेवन करना जरूरी है।

चक्रफूल का तेल – मालिश के लिए असरदार उपाय

अगर आपको नसों में ऐंठन, झनझनाहट या रात को बेचौनी रहती है, तो चक्रफूल का तेल भी बहुत लाभकारी हो सकता है।

कैसे बनाएं चक्रफूल का तेल

एक कप नारियल या सरसों के तेल में 2–3 चक्रफूल डालें। इसे हल्की आंच पर 5–10 मिनट तक गर्म करें। फिर ठंडा होने पर तेल को छान लें और किसी बोतल में भरकर रख लें।

कैसे करें इस्तेमाल– रात को सोने से पहले इस तेल से पैरों, कमर या उन हिस्सों की मालिश करें, जहां झनझनाहट या दर्द महसूस होता है। यह नसों को शांत करता है, ब्लड फ्लो को सुधारता है और गहरी नींद में मदद करता है। यह उपाय सामान्य जानकारी और आयुर्वेदिक दृष्टिकोण पर आधारित है। यदि आपकी नसों की समस्या गंभीर है या पहले से कोई दवा ले रहे हैं, तो डॉक्टर या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।नसों की कमजोरी को नजरअंदाज करना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दवा के साथ–साथ आयुर्वेदिक उपायों को भी अपनाया जा सकता है। चक्रफूल का पानी और तेल, दोनों ही शरीर की नसों को ताकत देने और उन्हें सक्रिय रखने में मदद कर सकते हैं।

प्रान्तीय संगठन द्वारा लखनऊ कार्यालय पर बुलाई गयी साधारण बैठक

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). प्रान्तीय संगठन कार्यालय लखनऊ पर प्रान्तीय पदाधिकारियों की साधरण बैठक बुलाई गयी। जिसमें संगठन द्वारा प्रस्तावित एजेन्डे को जारी किया गया। साथ ही पूर्व प्रा0 महामंत्री स्वर्गीय अशोक गोयल को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। बैठक में नगर विकास विभाग से निकाय कर्मचारियों की मुख्य माँग निकायों की सेवा से निकले गये संविदा कर्मचारियों की सेवा में तत्काल बहाली करते हुए बिनियमती करण किया जाये। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–309 का अनुपालन करते हुए निकायों में संविदाध आउटसोर्सिंग (ठेकाप्रथा) समाप्त करें। वर्षों से कार्यरत श्रमिकों का बिनियमती–करण किया जाए। निकाय कर्मचारियों की पदोन्नति सहित 21 सूत्रीय ज्वलन्तु समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु मांग की गयी। बैठक में कहा गया कि ऐसा न होने पर जल्द ही पंजीकृत सं0–10074 स्वायत्त शासन कर्मचारी संगठन उत्तर प्रदेश करेगा प्रदेश की नगर निकायों में चरण बद्ध आन्दोलन किया जायेगा। कहा गया कि संगठन उपर्युक्त प्रकरण पर सरकारध्शासनध्प्रशासन को संमाचार पत्रों के माध्यम से अवगत कराना चाहेगा कि निकाय कर्मचारियों की 21 सूत्रीय ज्वलन्तु समस्याओं के निदान हेतु पूर्व में दिनांक–16ध6ध2025 को नगर विकास विभाग के विशेष सचिव सत्य प्रकाश पटेल की अध्यक्षता में संगठन के प्रान्तीय प्रतिनिधिमंडल के मध्य वार्ता हुई थी, जिसमें शासन ने कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने का अश्वाशन दिया गया था। परन्तु शासन द्वारा निकाय कर्मचारियों की ज्वलन्तु समस्याओं पर संज्ञान नहीं लिया गया। ना ही आज तक शासनध्संगठन के मध्य हुई वार्ता के कार्यवृत–कार्यवाही की लिखित रूप में कापी जारी की जा सकी है। जिससे निकाय कर्मचारियों भारी रोष व्याप्त हो रहा है। शोषित–पीडित निकाय कर्मचारी संगठन के माध्यम से अपने हक अधिकार पाने के लिए संगठन पर दबाव बनाते हुए जल्द ही सरकारध शासन के खिलाफ आन्दोलित होने का दबाब बना रहे हैं। जिसके संबन्धमें संगठन ने संगठन के प्रान्तीय कार्यालय लखनऊ पर प्रान्तीय पदाधिकारियों की साधरण बैठक बुलायी। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के विभिन्न निकायों से संगठन के पदाधिकारी गंण एकत्रित हुए। संगठन की बैठक में निम्न बिन्दुओ पर प्रान्तीय पदाधिकारियों ने कर्मचारी हित में कर्मचारी समस्याओं पर चर्चा करते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए–

संगठन की प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाएं जाने का निर्णय लिया गया तथा बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश की नगर निकायों में निस्चित तारीख पर उत्तर प्रदेश की निकायों में अधिशाषी अधिकारीधजिला अधिकारी के माध्यम से सरकार शासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय से संगठन के प्रान्तीय पदाधिकारियों प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्यो–101 के द्वारा अपने आस– पडोस की निकायों में अपने हक अधिकार पाने के लिए कर्मचारियों में जन जागरण अभियान चलाते हुए आगामी आन्दोलन के लिए संगठित किया जाएगा। आगामी दिनाक 2 महीने को संगठन की प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय

मुक्तेश्वर प्रसाद महाविद्यालय का संस्थापक दिवस मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मुक्तेश्वर प्रसाद पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय के स्थापना के प्रेरणा स्रोत स्वर्गीय मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव एडवोकेट के 121वीं जयंती पर महाविद्यालय सभागार में संस्थापक दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रारंभ में स्वर्गीय मुक्तेश्वर प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। स्वर्गीय मुक्तेश्वर प्रसाद जनपद के ख्याति प्राप्त अधिवक्ता एवं प्रमुख शिक्षाविद व समाजसेवी रहे तथा कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ के वर्ष 1952 तथा 1955 मैं अध्यक्ष एवं महामंत्री रहे साथ ही बीआरपी इंटर कॉलेज के लगभग चार दशकों तक अध्यक्ष एवं प्रबंधक भी रहे तथा अपने प्रबंधकीय कार्यकाल में उन्होंने वर्ष 1962 में मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इंटर कॉलेज की भी स्थापना की जिसके संस्थापक प्रबंधक भी रहे तथा जिला परिषद के भी सदस्य रहे। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामेंद्र नाथ श्रीवास्तव, प्रबंधक आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट, नागेंद्र प्रसाद, डॉ चेतना सिंह, डॉ आरती श्रीवास्तव, मोहन शंकर श्रीवास्तव, डॉ कृष्ण दत्त मिश्रा नंदन, डॉ रेखा सिंह, डॉ शिवम श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, धीरज, पंकज, जितेंद्र, प्रदीप, विपिन, सुरेश यादव व शिवचरण प्रजापति सहित सैकड़ो छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में महाविद्यालय प्रबंधक आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ पीड़ितों तक भोजन, पानी आदि सभी व्यवस्थायें पहुंचायी जायेगी–जिलाधिकारी

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली (हरदोई)' तहसील शाहाबाद में सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी अनुनय झा ने पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन के साथ तहसील शाहाबाद क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित ग्राम बीरमपुर व पचदेवरा तथा उमरिया का मोटर वोट से निरीक्षण किया तथा बीडीओ को निर्देश दिये कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक प्रत्येक दिन समय से भोजन पहुंचायें।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि बाढ़ प्रभावित गांवों के बीमार लोगों की जांच उपलब्ध कराने हेतु कैम्प लगवायें। डीएम ने पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि बाढ़ प्रभावित गांव के जानवरों के लिए भूसा एवं हरे चारे आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होने बाढ़ प्रभावित लोगों को आश्वासन दिया और कहा कि प्रशासन द्वारा बाढ़ पीड़ितों तक भोजन, पानी आदि सभी सम्भव व्यवस्थायें पहुंचायी जायेगी। निरीक्षण के समय उप जिलाधिकारी अंकित तिवारी एवं तहसीलदार शाहाबाद आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुनानक में मंगलवार को आयोजित होगा शिक्षक सम्मान समारोह

अयोध्या।कल मंगलवार को दोपहर एक बजे गुरुनानक अकादमी के श्री गुरु गोबिंद सिंह सभागार में सरदार मोहन सिंह छाबड़ा स्मृति सम्मान पांच शिक्षकों को दिया जाएगा।इस कार्यक्रम की कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मवीर सिंह बग्गा व मुख्य अतिथि के रूप मे जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित होंगे।जिन पांच लोगों को सम्मानित किया जाएगा।सम्मानित होने वालों मे आईबी पाण्डेय, विश्वनाथ सिंह, भीम सिंह,कुसुमलता,कंचन वेत्ता प्रमुख हैं।

अकीदत से निकाला जुलूस–ए–मोहम्मदी

लखनऊ, (संवाददाता)। पैगंबर मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर शुक्रवार को मलिहाबाद, रहीमाबाद में जुलूस–ए–मोहम्मदी निकाला गया। इसमें हिंदू–मुसलमानों ने शामिल होकर गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। निगोहां में निकाले गए जुलूस में तिरंगा भी लहराया गया। निगोहां, मदारीखेड़ा, नंदौली, डीहा, मीरखनगर, कांटा सलेमपुर सहित आधा दर्जन गांवों के युवा शामिल हुए।

ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक सवार को रौंदा, पत्नी घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। सैरपुर में शुक्रवार सुबह तरहिया गांव के पास ईंट लदी ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने स्कूटी सवार कमलाबाद बढ़ौली के राम स्वरूप गौतम (42) को रौंद दिया। उन्होंने हेलमेट लगा रखा था। हादसे में उनकी पत्नी चोटिल हो गईं। घटना से नाराज लोगों ने शाम को सैरपुर थाने के सामने हाईवे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। इससे दिल्ली हाईवे पर थोड़ी देर के लिए जाम लग गया। राम स्वरूप के बड़े बेटे की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। राम स्वरूप इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में माली थे। सुबह करीब 7रू30 बजे वह पत्नी गीता देवी के साथ स्कूटी से काम पर जा रहे थे। तरहिया गांव के पास सैरपुर–मुबारकपुर रोड पर पीछे से आई तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली उनकी स्कूटी से टकरा गई। टक्कर लगते ही राम स्वरूप और गीता सड़क पर गिर पड़े। ट्रैक्टर राम स्वरूप को रौंदता हुए निकल गया। राहगीरों ने चालक को रोकने की कोशिश की तो वह ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला। सैरपुर थाने की पुलिस ने गीता को अस्पताल पहुंचाकर स्कूटी और ट्रैक्टर ट्रॉली कब्जे में ले ली। शाम करीब 4रू30 बजे घरवाले और ग्रामीण राम स्वरूप का शव लेकर सैरपुर थाने पहुंचे। फिर लखनऊ–दिल्ली हाईवे पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने पीड़ित घरवालों को दस लाख रुपये मुआवजे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। एसीपी ने बताया कि भट्ठा मालिक से मुआवजे की मांग की गई है। पुलिसकर्मियों के समझाने पर 15 मिनट बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। राम स्वरूप के दो बेटे आयुष और सचिन हैं। प्रदर्शन के कारण हाईवे पर करीब आधा किमी तक जाम लग गया। एसीपी बीकेटी अमोल मुरकुट ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर आवागमन बहाल करने के लिए कमान संभाली।

भगवान चित्रगुप्त भगवान सभी का लेखा जोखा रखते है न्याय के देवता हैं देश के हर अदालत में उनकी मूर्ति लगाई जानी चाहिए : सिद्धार्थ नाथ सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने

जौनपुर। श्री चित्रगुप्त भगवान जी सबके हैं सभी जाती धर्म समुदाय के देवता हैं उनका पूजन करने का अधिकार सबको है जौनपुर में श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति में सर्व समाज को जोड़ने की परंपरा एक अच्छी शुरुवात है जो देशभर में एक मिशाल कायम होगी भगवान चित्रगुप्त जी को धर्महरि के नाम से भी जाना जाता है और कहा हिन्दुओं बटोगे तो कटोगे उक्त विचार सिद्धार्थ नाथ सिंह पूर्व केबिनेट मंत्री एवं प्रयागराज पश्चिम से विधायक ने श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर द्वारा आयोजित कायस्थ समाज, वैश्य समाज, सर्व समाज, भगवान चित्रगुप्त जी के भक्तों के सम्मलेन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि भगवान चित्रगुप्त भगवान सभी का लेखा जोखा रखते हैं और न्याय के देवता हैं देश के हर अदालत में उनकी मूर्ति लगाई जानी चाहिए अंग्रेजो के जमाने से चली आ रही क्वीन मूर्ति हटाई जानी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि सौरभ श्रीवास्तव विधायक वाराणसी कैंट ने दूरभाष पर कहा है भगवान चित्रगुप्त जी कार्य में सबको जोड़ने का स्वागत करते हैं माता जी पूर्व विधायक श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव जी के अस्वस्थ होने के कारण नहीं आ पा रहा हूं क्षमा चाहते है। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति के अध्यक्ष मनोज अग्रहरी संरक्षक व्यापार मंडल ने कहा कि वैश्य समाज भी दीवाली के दिन कलम दवात की पूजा अर्चना करता हैं और रख देता हैं और भगवान चित्रगुप्त जी पूजन के दिन कलम दवात की पूजा कर फिर शुरुवात करता हैं और कहा कि शोभायात्रा में वैश्य समाज हजारों की संख्या में शामिल होंगे। और कहा कि कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि मैं कायस्थ समाज का अध्यक्ष हुआ हु जो गलत है मैं धार्मिक संगठन श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति का अध्यक्ष हुआ हूं और निष्ठापूर्वक कार्य करूंगा।

संक्षिप्त खबरें

प्रतापगढ़ में 08 करोड़ रुपए की लागत से धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास की योजनाओं को मिली मंजूरी

लखनऊ(, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य के धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी क्रम में प्रतापगढ़ जिले के लिए लगभग 08 करोड़ रुपए की लागत से आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन योजनाओं के तहत जिले के प्रमुख मंदिरों, धामों और बौद्ध स्थलों के आसपास पर्यटक सुविधाओं का विस्तार और विकास किया जाएगा। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।पर्यटन मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक वातावरण उपलब्ध कराना है। नई परियोजनाओं से प्रतापगढ़ जनपद की धार्मिक आस्था से जुड़ी धरोहरों को नया स्वरूप मिलेगा। इससे क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। प्रतापगढ़ प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाला केंद्र बन सकेगा।र्यटन विभाग ने प्रतापगढ़ जनपद में कई प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शिक्षकों को किया सम्मानित

लखनऊ(, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार, प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने महान दार्शनिक, शिक्षाविद और विचारक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 513 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 5 सितम्बर, डॉ. राधाकृष्णन जी की जयंती पर शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन हमें शिक्षा के महत्व, गुरुजनों के आदर्श और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की याद दिलाता है। उन्होंने शिक्षक को समाज सुधारक और दीपक की तरह बताया, जो स्वयं जलकर दूसरों को ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं।श्री मौर्य ने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को पूरा करने में शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से परम्परागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ी आत्मनिर्भर और राष्ट्रनिर्माण में सक्षम हो सके। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने और मोबाइल का सदुपयोग सुनिश्चित करने का आग्रह किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज देश और प्रदेश हर क्षेत्र में तीव्र विकास के पथ पर अग्रसर हैं और इसमें शिक्षकों की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को संस्कार, मूल्य और चरित्र निर्माण में सहयोग करने का आग्रह किया।

प्रदेश में एमबीबीएस का नया सत्र शुरू, कॉलेजों में शिक्षकों का टोटा 50 फीसदी टीचरों के पद खाली

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों एवं मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों के औसतन 50 फीसदी पद खाली हैं। हालत यह है कि राजधानी लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 37, केजीएमयू में 20 तो पीजीआई में भी 16 फीसदी पद खाली हैं। ऐसे में छोटे शहरों में स्थित मेडिकल कॉलेजों का अंदाजा लगाया जा सकता है। चिकित्सा शिक्षकों के नहीं मिलने की वजह सिर्फ आर्थिक नहीं है, बल्कि नौकरशाही के हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी आदि भी है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने प्रदेश में पांच सितंबर से एमबीबीएस सत्र शुरू करने का निर्देश दिया है। पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन ज्यादातर कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी है। पिछड़े जिलों के मेडिकल कॉलेज अपनी मान्यता बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। इन कॉलेजों में खाली पदों पर विज्ञापन जारी किए जा चुके हैं। कई स्थानों पर साक्षात्कार चल रहा है। असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए डॉक्टर मिल रहे हैं, लेकिन एसोसिएट और प्रोफेसर पद पर संकट बना हुआ है। इस संकट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लखनऊ के केजीएमयू में 645 में 135 पद खाली हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान में 440 में 165 पद और एसजीपीजीआई में 403 में 67 पद खाली हैं। प्रदेश के राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में सृजित कुल पदों के सापेक्ष करीब 50 फीसदी पद खाली हैं। इसे भरने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश में 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों में लोक सेवा आयोग से भर्ती होती है। इनमें सिर्फ चार नियमित प्रधानाचार्य हैं। चिकित्सा शिक्षकों के अलग–अलग समय पर करीब 480 पदों के लिए आयोग में भर्ती प्रस्ताव भेजा गया है। यहां स्थानीय कमेटी द्वारा एडॉक पर चिकित्सा शिक्षक रखे जा रहे हैं। इसके बाद भी ज्यादातर कॉलेजों में 60 से 70 फीसदी ही चिकित्सा शिक्षक हैं। कई शिक्षकों ने बताया कि अनुबंधपर रखे जाने वाले शिक्षकों को प्राइवेट प्रैक्टिस पर छूट है जबकि नियमित शिक्षक होने पर निजी प्रैक्टिस (बाहर मरीज देखने) पर रोक है। असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में करीब 1.20 लाख रुपये प्रतिमाह मिलता है, जो काफी कम है। दो से तीन साल में तबादला भी हो जाता है। समयवद्ध तरीके से पदोन्नति नहीं होती है। नाम नहीं छापने की शर्त पर चिकित्सा शिक्षकों ने बताया कि वे चिकित्सा शिक्षक सिर्फ सम्मान को ध्यान में रखकर बनते हैं। चिकित्सा शिक्षक की प्राथमिकता सिर्फ नौकरी नहीं होती है बल्कि सम्मान होता है, लेकिन नौकरशाही उन्हें निशाना बनाती है। कॉलेजों में संसाधनों का अभाव, शोधके लिए माहौल की कमी, परिवार के लिए अनुकूल माहौल न होना आदि का सामना करना पड़ता है। शिक्षकों को कार्य और उपचार के अलावा ढेर सारे काम करने पड़ते हैं। क्योंकि मेडिकल कॉलेजों में बिजली, फायर सर्विस, सीवर निगरानी सहित अन्य संसाधनों को लेकर कोई काडर नहीं है। किसी अप्रिय घटना होने पर कार्रवाई तय है। मेडिकल कॉलेज की नौकरी छोड़कर निजी अस्पताल शुरू करने वाले कई डॉक्टरों ने बताया कि कॉलेजों में निरीक्षण के दौरान छोटी–छोटी बात पर अधिकारियों की फटकार मिलती है। जबकि डॉक्टर का पेशा ऐसा है, जहां भी वह बैठ जाए, मेडिकल कॉलेज से मिलने वाली तनख्वाह से ज्यादा आमदनी कर सकता है। ऐसे में जब उसे फटकार मिलती है तो वह निजी क्षेत्र का रुख करने के लिए विवश हो जाता है।

खाली पदों को जल्द से जल्द भरने के निर्देश

प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों एवं मेडिकल कॉलेजों के खाली पदों को भरने के लिए प्रधानाचार्यों एवं संस्थानों के निदेशकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। तीन दिन पहले चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की अध्यक्षता में खाली पदों को लेकर बैठक हुई और कॉलेजवार समीक्षा भी की गई। चार सितंबर को विशेष सचिव कृतिका शर्मा ने सभी कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, संस्थानों के निदेशकों और कुलपति को निर्देश दिया गया है कि हर 15 दिन पर शासन को अवगत कराया जाए कि कितने पद भरे गए।

सहारनपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख भागमल सिंह कांग्रेस में शामिल, सैकड़ों समर्थकों के साथ छोड़ी बसपा

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस पार्टी की समावेशी विचारधारा और शीर्ष नेतृत्व के संघर्ष से प्रेरित होकर सहारनपुर जनपद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख भागमल सिंह ने शनिवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षक दिवस के अवसर पर महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित कर हुई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में अजय राय ने भागमल सिंह और उनके साथ आए समर्थकों को तिरंगा पट्टिका पहनाकर और सदस्यता कार्ड देकर पार्टी में शामिल किया।इस अवसर पर ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, शिक्षक प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमित कुमार राय, विधि विभाग के कोऑर्डिनेटर आसिफ रिजवी रिंकू, किसान कांग्रेस पूर्वी के चेयरमैन राम मोहन शुक्ला, जिला कांग्रेस कमेटी बदायूं के अध्यक्ष अजीत यादव सहित कई नेता मौजूद रहे।अजय राय ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से समाज का हर वर्ग पीड़ित है और जनता में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है, जिसकी लड़ाई राहुल गांधी सड़कों से लेकर सदन तक लड़ रहे हैं। उन्होंने सभी से कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया।सदस्यता ग्रहण के बाद भागमल सिंह ने कहा कि वे दलित समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं और आज का संकल्प संविधान की रक्षा और राहुल गांधी के संघर्ष को मजबूती देने का है। उन्होंने कहा कि हम राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।भागमल सिंह के साथ निखिल मित्तल, डॉ. राकेश प्रजापति, महबूब प्रधान, हाजी नसीम पूर्व प्रधान, अभिषेक चौधरी, मनोज कुमार, नाथीराम, प्रवीण प्रधान, गुरुवीन कुमार, राजेंद्र नौटियाल पूर्व जिला पंचायत सदस्य, सत्येंद्र कुमार, रविंद्र प्रधान, पोपिन कुमार पूर्व प्रधान, साजिद प्रधान, अजीत सिंह, संदीप कुमार, लोकेन्द्र कुमार, शीतल कुमार, सोमपाल सिंह, दिनेश कुमार, अशोक कुमार, सूरजमल सैनी, प्रेम चंद्र, अनुभव सिंह, कंवर पाल सिंह, धर्म सिंह, रोहित बंसल, अंकुश कुमार, अंकित कुमार सहित भारी संख्या में समर्थक शामिल हुए।

राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा विभाग को एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) को अपनी उत्कृष्ट कार्यकुशलता और अद्वितीय प्रदर्शन के लिए पूरे देश में प्रथम स्थान मिला है। पावरजेन इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में यूपीपीटीसीएल को "ट्रांसमिशन कंपनी ऑफ द ईयर दृ स्टेट ट्रांसमिशन अवार्ड 2025" से सम्मानित किया गया।ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि कई अद्वितीय कार्यों का परिणाम है। इनमें पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना, 30,618 मेगावाट की पीक डिमांड को समय पर उपलब्ध कराना, 55,051 सर्किट किलोमीटर का सबसे बड़ा ट्रांसमिशन नेटवर्क संचालित करना और 681 सब–स्टेशनों के जरिए 1,69,074 एमवीए की उच्चतम ट्रांसमिशन क्षमता उपलब्ध कराना शामिल है।

समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत प्रबुद्धजनों ने किया निरीक्षण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) समर्थ उत्तर प्रदेश–विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत शासन स्तर से नामित प्रदेश स्तर टीम के श्री के0 रविन्द्र नायक, श्री राकेश कुमार सूद, श्री नरेश चन्द्र शुक्ला, डा0 राघवेन्द्र प्रताप सिंह तथा श्री अरविन्द कुमार जैन ने आज जनपद भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान प्रबुद्धजनों ने विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से संवाद किया। जिसमें समर्थ कर कोड को स्कैन कर के ग्रामवासी कैसे अपना सुझाव दे सकते हैं, उसके बारे में बताया गया।

उन्होंने सबसे पहले, प्रबुद्धजनों ने एक प्लांट का निरीक्षण किया, जहां उन्हें उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान समूह की महिलाओं के साथ बातचीत की गई और उन्हें अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। प्रबुद्धजनों ने समूह से प्रॉफिट के बारे में पूछा और बच्चों को पढ़ाने के बारे में निर्देश दिया। इसके बाद, प्रबुद्धजनों ने बेगम गंज पंचायत भवन में ग्राम वासियों से संवाद किया। इस दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत की गई और उनके सुझाव लिए गए। प्रबुद्धजनों ने सभी लोगों से शिक्षा प्रदान करने और कौशल विकास की ट्रेनिंग लेकर रोजगार के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। प्रबुद्धजनों ने ग्राम पंचायत बेगम गंज के स्कूल और आंगनवाड़ी का भी भ्रमण किया। यहां उन्होंने सुपरवाइजर, सीडीपीओ और आंगनवाड़ी के बच्चों से संवाद किया। बच्चों का वजन कराया गया और कमजोर बच्चों पर ज्यादा ध्यान देने का निर्देश दिया गया। इसके बाद, प्रबुद्धजनों ने कस्तूरबा स्कूल का भ्रमण किया, जहां उन्होंने ।ए लैब का निरीक्षण किया और बच्चों के साथ संवाद किया। उन्हें नई तकनीक को अपनाने के बारे में जानकारी दी गई। अंत में, प्रबुद्धजनों ने कृषि विभाग के कैट सेंटर का भ्रमण किया। यहां उन्होंने किसानों से संवाद किया और विभिन्न फसलों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रबुद्धजनों ने फूलों की खेती और केले की खेती करने के लिए निर्देश दिए। इस भ्रमण के दौरान ग्राम वासियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं, जैसे कि स्टेडियम बनाने, पार्क बनाने, जल निकासी और बस स्टॉप पर शौचालय बनाने के लिए अनुरोध किया। प्रबुद्धजनों ने सभी की बात को ध्यान से सुना और जिला स्तरीयध्ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को इन समस्याओं का समाधान करने के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, उप जिलाधिकारी सण्डीला नारायणी भाटिया, उपायुक्त मनरेगा रवि प्रकाश सिहं, उप निदेशक कृषि डॉ0 सतीश चन्द्र पाण्डेय, जिला अर्थ एवं संख्याधि ाकारी डॉ0 राम प्रकाश, डीपीआरओं विनय कुमार सिंह, अधिशासी अधि ाकारी नगर पालिका सण्डीला, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, विजय प्रताप सिंह, एचसीएल की प्रतिनिधि निधि सहित अन्य अधि ाकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

सिविल डिफेंस ने नेक कार्य हेतु अहम भूमिका निभाई

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ, मोहम्मद अखध्तर जो पेशे से ऑटो चालक है। ऑटो चलते वक्त आहत नामक बच्चे का एक्सीडेंट हो गया था, जिसका इलाज नेपाल में हो चल रहा था। जिसमें काफी महंगा मेडिकल रिपोर्ट होने और पीड़ित परिवार के दबाव में लखनऊ में इलाज कराने को कहा गया, इसी बात को लेकर ऑटो चालक मोहम्मद अखध्तर नेपालगंज से अवध बस डिपो यूपी 40 टी 9003 से बच्चे की इलाज रिपोर्ट लेकर लखनऊ गोमतीनगर उतारा। बस से उतने के बाद बस वह से चली गई और रिपोर्ट ना मिलने से मोहम्मद अखध्तर बहुत परेशान हुआ। बस स्टैंड से पता किया तो बस चारबाग बस स्टैंड जाएगी। बस का पता करते हुए चारबाग बस स्टैंड आया और बस ना मिलने के बाद बहुत ज्यादा परेशान हो होकर नागरिक सुरक्षा कैम्प आकर अपनी आप बीती सिविल डिफेंस प्रखण्ड राजाजीपुरम के डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह से बताया। तत्काल मोबाइल पर डिविजनल वार्डेन नफीस अहमद से संपर्क किया और कहा ये बस गोमतीनगर पहुंच रही है बस स्टैंड कमता। और मौके पर स्टैंड पहुंची बस और साथ में मेडिकल रिपोर्ट भी। यह सुनकर मोहम्मद अखध्तर बहुत खुश हुआ, आभार व्यक्त कहा 75,000 रूपये रिपोर्ट में खर्च हुये हैं ना मिलने से मैं बहुत दुःखी था और बोला बच्चे का इलाज कैसे होगा। फिर उसे गोमतीनगर भेजा रिपोर्ट मिली बहुत खुश हुआ और इंदिरानगर में डाक्टर से संपर्क कर नेपालगंज वापस चला गया।

महिला थाना मे तैनात आरक्षी के स्थांतरण पर आयोजित हुआ विदाई समारोह

अयोध्या। जनवरी 2023 से महिला थाना में तैनात आरक्षी रेशू बघेल का स्थानांतरण लखनऊ के लिए हो गया।जिसके चलते सोमवार को उक्त महिला आरक्षी लखनऊ के लिए रवाना होती इससे पहले महिला थाना पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने कहा कि उनके द्वारा किए गए कार्यों के जितने भी तारीफ की जाए वह कम है। कहा कि विभाग चाहे जो भी हो स्थानांतरण तो एक अंग है। स्थानांतरित हुई महिला आरक्षी रेशु के कार्यों को याद करते हुए नम भरे आंखों से उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल मे महिला आरक्षी रेशू ने अपने सराहनीय कार्य से सभी का दिल जीत लिया था।इस मौके पर लखनऊ के लिए स्थांतरित हुई महिला आरक्षी रेशू ने दुखी मन से वहां पर मौजूद पुलिस कर्मियों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक प्रिया, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक श्वेता,रोली मिश्रा,ज्योतिमा,रेनू यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

जौनपुर - लायंस क्लब क्षितिज ने मनाया हरितालिका तीज का भव्य उत्सव

सीमा चक्रवाल बनीं तीज क्वीन

रजनी साहू को मिला बेस्ट दुल्हन ड्रेसअप अवार्ड

गायत्री जायसवाल को मिला बेस्ट डांस अवार्ड

शिल्पी जायसवाल को मिला बेस्ट श्रृंगार थाली डेकोरेशन अवार्ड

ब्यूरो चीफ जौनपुर जौनपुर। लायंस क्लब क्षितिज द्वारा हरितालिका तीज के पावन अवसर पर शहर के एक होटल में भव्य तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खेलों के माध्यम से महिलाओं ने तीज का आनंद उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आराधना सिंह ने की जबकि अंजना सिंह एवं यवनिका सिंह विशेष अतिथि रहीं। दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना से शुभारंभ हुए इस समारोह में लियो वर्णिका आनंद ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। संचालन पूर्व अध्यक्ष अर्चना सिंह ने किया।

महिलाओं ने तीज के पारंपरिक लोकगीत प्रस्तुत कर सनातन संस्कृति की झलक दिखाई। इसके बाद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता परिणाम–

ग्लास सरप्राइज– शोभा सिंह (प्रथम), नीतू (द्वितीय)

पेपर क्विज– जूही सिंह (प्रथम), नीतू सिंह (द्वितीय)

माला पहनाओ– प्रिया सिंह (प्रथम), बबीता जायसवाल (द्वितीय)

मीनार बनाओ– बबीता जायसवाल (प्रथम), प्रिया सिंह (द्वितीय)

मेहंदी प्रतियोगिता– वंशिका सिंह (प्रथम), सीमा चक्रवाल (द्वितीय), पूजा श्रीवास्तव (तृतीय)

दुल्हन ड्रेसअप– रजनी साहू (प्रथम), प्रिया सिंह (द्वितीय), साक्षी टंडन (तृतीय)

श्रृंगार थाली– शिल्पी जायसवाल (प्रथम), उषा (द्वितीय), शिल्की श्रीवास्तव (तृतीय)

सोलो डांस– गायत्री जायसवाल (प्रथम), प्रिया सिंह (द्वितीय), शिल्की श्रीवास्तव (तृतीय)

हरियाली तीज क्वीन– सीमा चक्रवाल

निर्णायक मंडल में नूपुर श्रीवास्तव, बबीता चौबे व मधुलिका अस्थाना शामिल रहीं।

कार्यक्रम संयोजक शिल्पी जायसवाल एवं नीलम जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नीतू सिंह, वंशिका, सीमा चकवाल, रजनी साहू, शोभा सिंह, प्रिया सिंह, साक्षी टंडन, किरण सेठ, उषा मोदनवाल, शांभवी सिंह, आस्था सहाय, सीमा सहाय, मृदुला सिंह, गायत्री जायसवाल, शिल्की श्रीवास्तव, सुधा बैंकर, सुषमा सोनकर, निशा कनौजिया, पूजा श्रीवास्तव, सरिता मंगलानी सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

ब्रिटेन की तरह नदियों की सफाई के लिए सरकार और समाज को साथ आना होगा – राम आशीष जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । गंगा समग्र काशी प्रांत की महत्वपूर्ण बैठक एक कॉलेज में रविवार को आयोजित की गई। बैठक में गंगा समग्र के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राम आशीष और क्षेत्र संगठन मंत्री संजय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगठन मंत्री ने बताया कि गंगा समग्र का ध्येय वाक्य श्अविरल गंगा निर्मल गंगाश है। उन्होंने कहा कि गंगा में मिलने वाली सभी नदियों को गंगा माता माना जाता है। गोमती नदी सहित अन्य नदियों की सफाई के लिए गंगा समग्र कार्यरत है। उन्होंने समाज में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। नदियों का उपयोग धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक कार्यों के लिए किया जाए। साथ ही उनकी निर्मलता और अविरलता का ध्यान रखा जाए। इंग्लैंड का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां की सूखी नदी को सरकार और समाज के प्रयास से पुनर्जीवित किया गया। जबकि ब्रिटेन की जनता नदी को माता नहीं मानकर भी सफाई कर सकती है, तो भारत में यह काम और भी आसानी से किया जा सकता है। नमामि गंगे परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश में 70:काम पूरा हो चुका है। छोटे नालों को पाइप लगाकर और बड़े नालों को एसटीपी के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा है। उत्तराखंड में यह काम लगभग पूरा हो चुका है।इस मौके पर प्रमुख रूप से अभिषेक श्रीवास्तव प्रांत सह संयोजक,भृगु नाथ पाठक गोमती भाग संयोजक, अम्बरीष जी विभाग संगठन मंत्री, दीपक श्रीवास्तव, प्रचार संगठन मंत्री,संजय जी ,राकेश मिश्रा, दिवाकर द्विवेदी, अतुल सिंह ,अजय पाल अतुल जायसवाल, अवधेश गिरी, कृपा शंकर,संजय आदि लोग मौजूद रहे।उक्त जानकारी गंगा समग्र के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए लाभान्वित करायें:–डीएम

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज तहसील शाहाबाद सभागार में आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने उपस्थित जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि आम जनमानस की शिकायतों के निस्तारण कराने एवं पात्र गरीबों तक प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए लाभान्वित करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सरकारी एवं गरीबों की भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायतों पर डीएम ने राजस्व विभाग के कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि तहसील क्षेत्र में जिन स्थानों पर सरकारी व गरीबों की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतें प्राप्त हुई उन सभी शिकायतों के निस्तारण के लिए भूमि का चिन्हिांन करें और अपने उच्च अधिकारियों को सूचित करते हुए नायब तहसीलदार व पुलिस बल के सहयोग से सभी अवैध कब्जों को त्वरित कब्जा मुक्त कराना सुनिश्चित करें। खाद्यान्न वितरण की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये कि राशन का वितरण नामित क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारियों की देखरेख में वितरण कराना सुनिश्चित करने के साथ राशन वितरण में अनियमियता करने वाले कोटेदारों के खिलाफ कार्यवाही करें। वृद्धावस्था, निराश्रित एवं दिव्यांग पेंशन न मिलने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन पेंशनरों किसी कारण बन्द हो गयी हैं उनकी जांच कराकर पात्र लोगों की पेंशन बहाल करायें। विद्युत विभाग की शिकायतों पर डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि बरसात या किसी अन्य कारण से जिन गांवों में ट्रांसफारमर खराब है उन्हें तत्काल प्रभाव बदलवायें और जर्जर लाइनों को ठीक करायें। उन्होने उप जिलाधिकारी शाहाबाद से कहा कि तहसील क्षेत्र के बाढ़ एवं जल भराव वाले स्थानों पर लेखपालों के माध्यम से निगरानी करायें तथा बाढ़ चौकियों को सक्रिय बनाये रखें। अन्य विभागों की प्राप्त शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी प्रकार की प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निष्पक्ष एवं गुणवत्तापरक समय सीमा में करायें तथा शिकायत निस्तारण की प्रति शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र में अपराध की रोकथाम के लिए अपराधी, आराजक तत्वों, भूमाफियों द्वारा क्षेत्र में की जा रही समस्त गतिविधियों की जानकारी सम्बन्ध में गांव के चौकीदार एवं बीट सिपाहियों के माध्यम से प्रतिदिन लें तथा सरकारी एवं गरीबों की भूमि अवैध कब्जा मुक्त कराने में राजस्व टीमों के साथ सहयोग करें। समाधान दिवस में सीएमओ, डीएफओ, एसडीएम व तहसीलदार शाहाबाद, डीपीआरओ व अन्य सभी जिलास्तरीय अधिकारी, बीडीओ, सीडीपीओ आदि उपस्थित रहें।

डीएम ने मिल्कीपुर मे आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस मे 243 शिकायतों मे से 13 का मौके पर किया निस्तारण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।सोमवार को विधायक मिल्कीपुर चन्द्रभानु पासवान, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर की उपस्थिति में तहसील मिल्कीपुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया ।जिलाधिकारी ने समाधान दिवस के दौरान व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक फरियादी की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए ।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे गंभीरता व संवेदनशीलता से जनता की शिकायतों को सुनें और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें ।इस मौके पर जिलाधिकारी ने मिल्कीपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस में आज कुल 248 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 13 शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण किया गया ।तहसील मिल्कीपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम पंचायत पालपुर विकासखण्ड अमानीगंज के शिकायतकर्ता ने अवैधा निर्माण हटवाने की शिकायत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर को जांच कर मामले को संज्ञान में लेकर न्यायोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये ।ग्राम परसवां पूरे तिवारी विकासखण्ड मिल्कीपुर, ग्राम निमड़ी विकासखण्ड हरिग्टनगंज व ग्राम इटौंजा विकासखण्ड अमानीगंज के शिकायतकर्तों ने जमीन सम्बंधी अलग–अलग शिकायतें की गयी थी, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने को कहा। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मवईकला विकासखण्ड मिल्कीपुर के शिकायतकर्ता ने जल जीवन मिशन योजना के तहत बनी पानी की टंकी व पाइप का पूर्ण कार्य न कराये जाने की शिकायत में जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियन्ता जल निगम ग्रामीण को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ग्राम निमड़ी पूरे मिश्र विकासखण्ड हरिग्टनगंज, ग्राम पंचायत उछाहपाली विकासखण्ड मिल्कीपुर, ग्राम सिंधौरा इनायतनगर तहसील मिल्कीपुर, ग्राम पंचायत कुर्न्दखाकला विकाखण्ड अमानीगंज की शिकायतों में जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को न्यायोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी क्रम में शिकायतकर्ता ग्राम पंचायत रनापुर विकासखण्ड हरिग्टनगंज ने सुरक्षित भूमि पर शौचालय निर्माण की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को जांच करने के निर्देश दिये।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला का कानपुर में भव्य स्वागत, पदाधिकारियों संग हुई बैठक

कानपुर। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला का आगरा, फिरोजाबाद, इटावा होते हुए आज कानपुर आगमन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव जायसवाल के कार्यालय पर सैकड़ों पदाधिकारियों एवं बहनों ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह में बहनों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता कर सम्मान प्रकट किया। आज आयोजित बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल कुमार जी राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर राजीव लोचन शुक्ला जी उपस्थित रहे। इस दौरान स्वाति अवस्थी (प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा), अंबिका सविता (प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा), राधा देवी (प्रदेश सचिव महिला मोर्चा), रेनू अवस्थी (प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा), शुभम मिश्रा (प्रदेश महासचिव), निलेश कुमार (प्रदेश संगठन मंत्री), विमल त्रिपाठी (प्रदेश कोषाध्यक्ष), प्रदीप अवस्थी (प्रदेश उपाध्यक्ष), मनोज द्विवेदी (प्रदेश उपाध्यक्ष), कानपुर जिला अध्यक्ष अजेंद्र पाल सिंह चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजेंद्र कुमार जीके नेतृत्व में क्लीनिक पर भी किया गया भव्य स्वागत सहित कानपुर देहात एवं न्याय पदाधिकारीगण पूरी टीम के साथ मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्ला जी ने संबोधन में कहा कि "भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। हम सभी दो वंशों से आते हैं कृ सूर्य और चंद्र। समाज में दलित या अन्य किसी संज्ञा की कोई आवश्यकता नहीं। सच्चाई का संवाहक ही दलित है और हरि के सबसे नजदीक रहने वाला ही सच्चा हरिजन कहलाता है। हमें नेताओं के बहकावे में नहीं आना चाहिए और आपसी विवाद छोड़कर राष्ट्र निर्माण में जुटना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि 6 अक्टूबर को लखनऊ में आयोजित होने वाले बड़े कार्यक्रम में सभी भाइयों और बहनों को सादर आमंत्रित किया जाता है। इस भव्य स्वागत एवं बैठक से संगठनात्मक मजबूती का स्पष्ट संदेश मिला और पदाधिकारियों ने वैदिक सनातन राष्ट्र के संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रण लिया।

अयोध्या की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास जरूरी: महापौर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।विकास की तेज रफ्तार ने प्रदूषण की बड़ी चुनौती खड़ी की है ।अगर हमें स्वच्छ वायु, जल, धरती और नीले आकाश की और निहारना है तो हर तरह के प्रदूषण पर काबू पाना होगा। यह तभी संभव है, जब हर नागरिक स्वच्छता को लेकर सजग रहे ।यह कहना था महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी का ।वह अंतरराष्ट्रीय वायु स्वच्छता दिवस पर चिंतन संस्था द्वारा आयोजित साफ–सांस परियोजना के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। क्रनासको होटल में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि महापौर ने कहा कि प्रदूषण संबंधी हालिया रिपोर्ट में अयोध्या की वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता व्यक्त की गई है, इसलिए हर किसी को स्वच्छ अयोध्या बनाए रखने के लिए तत्पर रहना होगा। उन्होंने नगर आयुक्त से निर्माण कार्य संबंधी एक गाइडलाइन भी जारी करने की अपेक्षा की ।महापौर ने कहा कि स्वच्छता के पैमाने पर अयोध्या को 28वें स्थान से टॉप टेन में लाने में जन सहयोग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि बरसात समापन की ओर है, ऐसे में डेंगू के फैलने का खतरा बढ़ गया है। इसलिए हमें जन जागरूकता के जरिए घरों और उसके आसपास स्वच्छ जल को ठहरने नहीं देना है ।विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि स्वच्छ पृथ्वी, हवा एवं जल के लिए ठोस अपशिष्ट एवं तरल अपशिष्ट को घरों में ही पृथक करने की जरूरत है। उन्होंने कूड़ा रखने के लिए लोगों को बाल्टी का प्रयोग करने का सुझाव दिया और कहा कि घरों में निकलने वाले कचरे से खाद बनाएं। उसका प्रयोग गमले में कर हरियाली लाएं। उन्होंने अध्यापकों से हर सप्ताह कार्यशाला आयोजित कर बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन चिंतन की प्रबंधक आकांक्षा सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय ने किया। इस मौके पर भवदीय पब्लिक स्कूल, अयोध्या अकेडमी, बापू बालिका इंटर कॉलेज, साहबदीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज को सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्वच्छता में विशेष योगदान के लिए सरिता वर्मा, विजयलक्ष्मी, कल्पना शर्मा, अनीता द्विवेदी, प्रीति राय, डॉक्टर दीपिका चंद्रा, उपासना सिंह, नीता शर्मा, ममता श्रीवास्तव, शारदा सोनी, आशा, रूबी रावत, नीलम मध्यान, कुसुम सिंह, नीलम सिंह, अमृतांश त्रिपाठी, एकता भटनागर, राहुल सिंह, दीपक पांडेय, अमरेश मिश्र, स्वप्निल श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, आलोक सिंह राणा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।